पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) से (घ) 1994-95 के लिए तेल आयात बिल में वृद्धि/कमी अनेक घटकों पर आधारित होती है जैसे देशी उत्पादन की मात्रा विभिन्न रिफाइनरी विस्तार परियोजनाओं को पूरा करना, क्रूड और पेट्रोलियम उत्पादों की प्रचलित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत, डालर की विद्यमान विनिमय साम्य आदि ।

गत तीन वर्षों के तेल आयात बिल निम्नानुसार है :--

वर्ष	(करोड़ रुपए)
1991-92*	13038
1992-93*	17045
1993-94*	17730

*प्रतीक्षित

(ङ) फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(च) पैट्रोलियम उत्पादों की कीमत में परिवर्तन केवल अंतर्राष्ट्रीय कीमत पर आधारित नहीं है बल्कि अन्य घटकों जैसे घरेलू उत्पादन की प्रकृति इसकी लागत, और आवश्यकता/निर्यात में परिवर्तन आदि पर भी निर्भर करते हैं।

रसोई गैस (एलपीजी) पर दी जाने वाली राज सहायता की राशि में वृद्धि

1265. **श्री वीरेन जे. शाह :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र में संचालित तेल कंपनियों को चालू वर्ष के दौरान 20 लाख नये रसोई गैस उपभोक्ताओं के नाम पंजीकृत करने के निर्देश दिए हैं जिससे उन्हें नये कनेक्शन दिए जा सकें ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि सरकार ने कुछ दिन पहले एलपीजी क्षेत्र में निजी क्षेत्र को कार्य करने की अनुमति दी थी ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह सच नहीं है कि नये कनेक्शन जारी करने के बाद सरकार द्वारा दी जाने वाली राज-सहायता की राशि में वृद्धि होगी ;

(घ) यदि हां, तो इस राशि में 20 लाख कनेक्शन जारी होने के बाद कितनी वृद्धि हो जाने का अनुमान है और क्या सरकार इस राजसहायता को समाप्त करने या कम करने के लिए गैस सिलिंडरों के वर्तमान मूल्य में और वृद्धि करेगी; और

(ङ) यदि नहीं, तो इस राजसहायता की राशि के कारण होने वाली हानि को क्षतिपूर्ति करने के लिए क्या योजना है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) और (ख) जी, हां ।

(ग) से (ङ) एलपीजी के वर्तमान मूल्यों पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन दिए जाने के परिणामस्वरूप राजसहायता में वृद्धि हो सकती है ।

तेल क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश

1266 **श्री राम गोपाल यादव** : क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विदेशी कम्पनियों को तेल के क्षेत्र में पूंजी निवेश करने की अनुमति दे दी है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) अब तक उन कंपनियों ने कुल कितनी धनराशि का निवेश किया है ?